वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 73 | रविवार 7 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित

तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करते हुए युवाओं की राष्ट्र विकास में भूमिका सुनिश्चित की जाए: राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि ''विकसित भारत 2047'' की संकल्पना का प्रमुख आधार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा है। हमें विश्वविद्यालयों को इस तरह से तैयार करने की जरूरत है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारत फिर से विश्वगुरू बन सके।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करते हुए युवाओं की राष्ट्र के सवार्गीण विकास में भूमिका सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय ऐसे नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करें, जो बदले युग के अनुरूप हों और जिनमें युवाओं की अधिक रूचि हो। राज्यपाल शनिवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के 13वें दीक्षांत समारोह में पीएचडी, एमटेक, एम.आर्क, बीटेक एवं बी.आर्क, एमबीए, एमसीए आदि उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर नयांशी जैन को 2022 का कुलाधिपति स्वर्ण पदक जबकि नेहा सुराणा को 2023 का कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। दिव्यांशी यादव को 2022 को कुलपति स्वर्ण पदक एवं गजल लता को 2023 का कुलपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। कुल 44 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय की ओर से कुल 18 हजार 257 उपाधियां प्रदान की गई हैं। राज्यपाल ने कहा कि ''विकसित भारत 2047'' की संकल्पना का प्रमुख आधार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा है। हमें विश्वविद्यालयों को इस तरह से तैयार करने की जरूरत है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारत फिर से विश्वगुरू बन सके। उन्होंने उच्च शिक्षा को रोजगारपरक बनाने के साथ ही तकनीकी ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के सवार्गीण विकास में किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि नवीन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल भी यही है कि भारत आत्मनिर्भर बने। उन्होंने ऐसे विषयों पर विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष करने की आवश्यकता जताई जो वैश्विक मांग के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो तर्कसंगत विचार करने और कार्य करने में सक्षम होने के साथ साथ उच्च मानवीय मूल्यों को धारण करने की क्षमता रखते हों। उन्होंने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नये जीवन का आरंभ है। दीक्षांत का अर्थ है, दीक्षित होकर नये जीवन में प्रवेश। यह वह समय है जब विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान में करने के लिए सक्षम होते हैं। समारोह की शुरूआत में राज्यपाल ने संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। अपने दीक्षान्त भाषण में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि आज के युवाओं को कौशल सीखकर अपग्रेड होने की आवश्यकता है। भविष्य में तकनीकी कौशल वाले युवा ही अग्रणी भूमिका में होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस.के.सिंह ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल ने विश्विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

आचार्य श्री विराग सागर महाराज की समाधि को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएगा मानसरोवर समाज

दिगंबर जैन समाज मानसरोवर द्वारा भावपूर्ण विन्यांजलि सभा का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर मैं आज परम पूज्य आचार्य गुरुवर विराग सागर जी महाराज की समता पूर्वक हुई समाधि के अवसर पर दिगंबर जैन समाज मानसरोवर द्वारा भावपूर्ण विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया, इस अवसर पर सुप्रसिद्ध पंडित नरेंद्र जी जैन, गुलराज जी जैन, एम पी जैन, ज्ञान बिलाला, श्रीमती इंदिरा बड़जात्या, श्रीमती सुशीला टोंग्या , राजेंद्र सोनी, विनेश सोगानी सहित सभी पदाधिकारियों ने गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला सभी वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि पूज्य गुरुदेव के बाहरी रूप को तो सारी दुनिया जानती है लेकिन हमें आत्मसात करना है गुरुदेव का आंतरिक रूप, तभी

हम उनकी कठिन तपस्या एवं साधना का अंश मात्र भी ले पाए तो हमारा जीवन सार्थक होगा। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें पूज्य गुरुदेव के काल में जन्म लेने का अवसर मिला उन्हें देखने का, उन्हें सुनने का , और उनके चरण रज को छूकर मस्तक पर लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, इस अवसर पर कार्यक्रम का विधिवत्त शुभारंभ समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन मंत्री ज्ञान बिलाला ,उपाध्यक्ष राजेंद्र अर्चना सोनी श्रीमती इंदिरा बड़जात्या द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया विन्यांजलि सभा का शुभारंभ गुरुदेव की अनन्य भक्त, कुशल मंच संचालीका श्रीमती इंदिरा जी बढ़जात्या द्वारा प्रस्तुत गुरुदेव की रचना से हुआ उपस्थित जन समुदाय की इस अवसर पर आंखें नम थी ऐसे लगा जैसे हमारे शरीर में से आत्मा चली गई हो मंदिर समिति के संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर समाज ने गुरुदेव के समाधि दिवस को प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया ,इस अवसर पर एम पी जैन, ज्ञान बिलाला, राजेंद्र सोनी ,कैलाश सेठी, विनेश सोगानी, अनील जैन सोडा वाले अजीत जैन, नरेंद्र कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, सतीश कासलीवाल, पदमचंद जैन , गुलराज जैन , जे के जैन , गुणमाला देवी सोडा वाले, भंवरी देवी काला श्रीमती अंजू जैन, श्रीमती हीरामणि जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने किया।

अशोक नगर जैन समाज ने किया विनयांजलि सभा का आयोजन

भारतीय वसुंधरा सन्तों के त्याग तपस्या की साक्षी है। आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज को दी विनयांजलि

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। अशोक नगर जैन समाज ने जैन भवन शान्ति नगर में गणचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के समाधिस्थ होने पर विनयांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विनियाजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा दिए गए सन्देश को याद करते हुए भगवान महावीर स्वामी की परम्परा को दृढ़ता पूर्वक पालन करने का संकल्प लिया। विनियाजलि सभा के प्रारंभ में समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई राजेंद्र अमन मंत्री शैलेन्द्र श्रागर थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने दीप प्रज्ज्वलन में अन्य भक्तों के साथ भाग लिया मंगल गान स्मृति भारत ने किया। विनियांजलि अर्पित करते हुए जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि तीन दिन पूर्व एक बहुत ही दुखद समाचार हम सब के वीच जालना महाराष्ट्र से आया कि गणचार्य श्री विरागसागर जी महाराज की समाधि हो गई पहले तो विश्वास ही नहीं हुआ उन्होंने अनेक शिष्यों को हमारे नगर में चातुर्मास का आशीर्वाद दिया डॉ डी के जैन ने कहा कि मुनि राजो के साथ ही वयोवद्ध साधकों के लिए तो मानो वे भगवान थे। महेंद्र कडेसरा ने आचार्य महाराज का जीवन परिचय देते हुए अनेक संस्मरण रखे।

लोक संगीत की फुहारों से मन भीगा

नेट थिएट पर सीमा मिश्रा ने रचा गीतों का इंद्रधनुष

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान कोकिला के नाम से पहचानी जाने वाली विख्यात गायिका सीमा मिश्रा ने नेट थिएट पर लोक संगीत की फुहारों से संगीत रसिको के मन को भिगो दिया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की सीमा मिश्रा ने पीहू पीहू बोले पिया मोरियो के सुरीले गायन से श्रावण माह में बोलने वाले मोर का सौंदर्य वर्णन और विरह के मनोभावों को बखूबी जीवंत किया। जैसे ही सीमा मिश्रा ने गीत को अपने स्वर दिए तो ऑनलाइन देख रहे दर्शकों ने इसे काफी पसंद किया। इसके बाद कागलिया गेरो गेरो बोले रे और इन लहरियारा नौ सौ रुपिया रोकड़ा सा की पारंपरिक रचना से राजस्थानी परिवेश का सुनहरा खाका खींचा। सीमा ने राजस्थान की लोक संगीत की पारंपरिक विधा हिचकी की सुनहरी प्रस्तुति से भरपूर प्रशंसा अर्जित की। आवे हिचकी बैरण आवे हिचकी की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी तो दर्शकों ने उन्हें काफी लाइक्स दिए। सीमा मिश्रा के साथ तबले पर सावन डांगी ढोलक पर पावन डांगी एवं महेंद्र शर्मा मंटू और कीबोर्ड पर हेमंत डांगी ने प्रभावशाली संगत कर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम में पद्मश्री शाकिर अली और वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार निर्मल ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कैमरा मनोज स्वामी, साउंड नदीम(पालम साउंड) और विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और जिवतेश शर्मा की रही।

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत पर आयोजित हुई विनयांजलि सभा

गुरुभक्तों ने किया गणाचार्य श्री नमन

आगरा. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत भारत गौरव गणाचार्य, बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, युग प्रतिक्रमण प्रवर्तक उपसर्ग विजेता, महासंघगणनायक गणाचार्य श्री विराग सागरजी महामुनिराज की महासमाधि 4 जुलाई 2024 गुरुवार (चतुर्दशी) प्रातः 2:30 बजे जालना महाराष्ट्र के नजदीक देवमूर्ति ग्राम हो गयो गणाचार्यश्री के देवलोक गमन से आगरा सकल जैन समाज में शोक का माहौल बना हुआ है आचार्य श्री को नमन करने के उद्देश्य से 6 जुलाई को मुनि श्री शिवदत्तसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विदम्बरसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य एवं आगरा दिगंबर जैन परिषद एवं श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति,सकल दिगंबर जैन समाज आगरा के तत्वावधान में आगरा के हरी पर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य शांतिसागर सभागार में विनयांजलि सभा आयोजित की गई। विनयांजलि सभा का शुभारंभ विमल जैन मारसंस ने समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कियो विनयांजलि का मंगलाचरण उषा जैन मारसंस ने किया। दीप प्रज्वलन के बाद आगरा जैन समाज के प्रबुद्ध जन ने अपनी ओर से विनयाजलि देते हुए कहा कि आचार्य श्री की समाधी के बाद जैन संस्कृति श्रमण परंपरा का एक और सूर्य अस्त हो गया। विद्या युग के बाद विराग युग का भी अंत हुआ। सौभाग्य की बात है कि हम व पीढ़ी में जन्मे हैं जिसे आचार्य विद्यासागर जी और गणाचार्य आचार्य श्री विराग सागर जी का स्वर्णिम युग प्राप्त हुआ था। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने गणाचार्यश्री को शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विनयांजलि सभा में संगीत दीपक जैन ने दियो विनयांजलि सभा में गुरुवर के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने आये श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी ने कहा की गुरुवर इतनी कम उम्र में देवलोक गमन को चले जाएंगे ऐसा हमने नहीं सोचा था गुरुवर ने अपने जीवन में 500 से ज्यादा मुनियों को दीक्षा दी।आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन द्वारा विनयांजलि समर्पित करते हुआ कहा की जैन धर्म के सबसे बड़े महासंत गणाचार्यश्री विरागसागर जी महाराज के ब्रह्मलीन होने की खबर न सिर्फ जैन समाज के लिए बल्कि देश और दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। आचार्य श्री के चरणों में शत शत नमन करता हु। गणाचार्यश्री के प्रेरणा संदेश सम्पूर्ण मानवजाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। विनयांजलि सभा में गुरुवर को श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार ने कहा कि राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज का ताजनगरी मे कई बार आगमन हुआ। ताजनगरी के भक्तों से गुरुवर का काफी लगाव था। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुंदेलखंड के प्रथम दिगंबराचार्य विराग सागर महाराज का जन्म मध्य प्रदेश के सागर जिले में ग्राम पथरिया में 02 मई 1963 में श्रावक श्रेष्ठी कपूरचंद श्यामा देवी जैन के परिवार में हुआ था। आपका गृहस्थ अवस्था का नाम अरविंद जैन था। आपकी क्षुल्लक दीक्षा 02 फरवरी 1980 को बुढ़ार जिला शहडोल में आचार्य श्री सन्मति सागर महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। आपको मुनि दीक्षा 09 दिसंबर 1986 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज के द्वारा प्रदान की गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य श्री का 2024 का पावन वर्षायोग महाराष्ट्र के जालना में होना थोजिसके लिए वे अपने शिष्यों के साथ पद विहार कर रहे।आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज ने अपने संयमी जीवनकाल में 350 से अधिक दीक्षाए प्रदान की। आपके दीक्षित मुनि, आर्यिकांए पूरे विश्व में अहिंसा, शाकाहार और जैन धर्म के सिद्धांतो का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। आपने अनेकों पुस्तकों का लेखन किया साथ ही अनेकों शास्त्रों की टीकाएं लिखी।मुनिश्री विदम्बर सागर जी महाराज ने कहा कि मेरे आचार्य भगवन ने बहुत पुस्तक लिखी और 150 से ज्यादा समाधि कराई। इसी के साथ संघस्थ मुनिश्री जिनदत्तसागर जी,मुनिश्री पदमदत्त सागर जी महाराज ने अपनी विनयजंलि पूज्य गणाचार्यश्री विरागसागर जी को समर्पित की। विनयांजलि सभा के अंत में सभी गुरूभक्तों ने णमोकार मंत्र का जाप कर सामूहिक रुप से गुरुदेव को नमन किया। विनयांजलि सभा का संचालन आगरा दिगम्बर जैन परिषद के प्रवक्ता मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। इस विनयांजलि सभा में आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार अर्थमंत्री राकेश जैन पदेवांले,प्रदीप जैन पीएनसी,शिखर जैन सिंघई,अनंत कुमार जैन,डॉक्टर जितेंद्र जैन,राजेंद्र जैन एडवोकेट,दिलीप जैन,उपाध्यक्ष महिपाल जैन, सतीश जैन,अशोक जैन,अनिल जैन,प्रवीण जैन नेताजी, पवन जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, अमित जैन, राजकुमार गुड्डू, मुकेश जैन रपरिया, सचिन जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन, आगरा

पुष्कर गो आदि पशुशाला में गोवंश को सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवम लायनेड कमलेश पालीवाल के सहयोग से लोहागल स्थित पुष्कर गो आदि पशुशाला की 400 से अधिक अशक्त गोवंश को पोष्टिक हराचारा अर्पण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में गोवंश को हराचारा की सेवा दी गई। इससे पूर्व गौशाला पहुंचने पर गोशाला के पदाधिकारी लक्ष्मी नारायण हटुका ने समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,अतुल पाटनी,मधु पाटनी एवम सरोज अग्रवाल का स्वागत किया और गऊ माताओं के लिए दी गई सेवा के प्रति आभार जताया।

वेद ज्ञान

ईश्वर का विधान

हम सभी परमपिता परमात्मा के पुत्र हैं। वे सभी को समान रूप से चाहते हैं, पर वह जिन्हें योग्य, विश्वसनीय और ईमानदार समझते हैं, उन्हें अपनी राज-शक्ति का कुछ अंश इसलिए सौंप देते हैं कि वे उसके ईश्वरीय उद्देश्यों की पूर्ति में हाथ बटाएं। धन, बुद्धि, स्वास्थ्य, शिल्प, चतुराई, मनोबल, नेतृत्व आदि की शक्तियां जिन्हें अधिक मात्रा में दी गई हैं, वे उन्हें दैवी प्रयोजन के लिए दी गई हैं। जो अधिकार सामान्य प्रजा को नहीं है, वे अधिकार नगराधिकारी को देकर राजा कोई पक्षपात नहीं करता, बल्कि अधिकार योग्य से अधिक काम लेने की नीति बरतता है। परमात्मा भी कुछ थोड़े से लोगों को अधिक संपन्न बनाकर अपने अन्य लोगों के साथ अन्याय नहीं करता। उसने सभी को समान रूप से विकसित होने के अवसर दिए हैं। वह पक्षपात और अन्याय करे तो फिर समदर्शी और दयालु कैसे कहा जा सकेगा? भोजन, वस्त्र, आवास और जीवनयापन की उचित आवश्यकता पूरी करने वाली वस्तुएं प्रभु प्रदत्त प्रत्येक व्यक्ति का वेतन है। आलसी, अकर्मण्य लोगों का वेतन कट जाता है और उन्हें किन्हीं अंशों में अभावग्रस्त रहने को विवश होना पड़ता है। जो परिश्रमी, पुरुषार्थी, सीधे मार्ग पर चलने वाले हैं, वे अपना उचित वेतन यथासमय पाते रहते हैं। इस वेतन के अतिरिक्त जिसके पास जो भी बौद्धिक, शारीरिक, आर्थिक और औपचारिक शक्तियां हैं, वे केवल इस उद्देश्य के लिए हैं कि उनको अपने से कमजोर लोगों को ऊपर उठाने में लगाया जाए। प्रत्येक समृद्ध मनुष्य को प्रभु ने यह कर्तव्य सौंपा है कि अपने से जो लोग कमजोर हैं, उनकी मदद करने में इन शक्तियों को व्यय किया जाए। यदि कोई सुशिक्षित है तो उसका फर्ज है कि अशिक्षितों में शिक्षा का प्रसार करे। कोई शक्तिशाली है तो उसका कर्तव्य है कि निर्बलों को, सताने वालों को रोके। धनवान के निकट धन इसलिए अमानत के रूप में रखा गया है कि वह उससे विद्या, बुद्धि, व्यवसाय, संगठन, सद्ज्ञान आदि का इस प्रकार आयोजन करे कि उससे जरूरतमंद अपनी चतुमुर्खी उन्नति कर सके। प्रायः लोग यह कहते हैं कि मैं जब धनवान हो जाऊंगा तब परमार्थ करूंगा, जबकि हकीकत यह है कि परमार्थ या परोपकार करने के लिए धन के अलावा ऐसा मन भी चाहिए जो दूसरों के परोपकार के बारे में सोचता हो।

संपादकीय

करों का बोझ और महंगाई बड़ा संकट

ब्रिटेन में चौदह वर्षों बाद कंजर्वेटिव पार्टी को पराजित कर लेबर पार्टी सत्ता की कमान संभालने जा रही है। लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। उसने चार सौ से ऊपर सीटें जीती हैं। किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि इस सत्ता परिवर्तन के कयास बहुत पहले से लगाए जा रहे थे। चुनाव पश्चात सर्वेक्षणों में भी लेबर पार्टी को चार सौ से ऊपर सीटें मिलने के कयास लगाए गए थे। दरअसल, कंजर्वेटिव पार्टी से लोगों का मोहभंग हो चुका था। खासकर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक खासे अलोकप्रिय हो चुके थे। इस तरह वहां सत्ता-विरोधी लहर थी, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी ध्वस्त गई। ब्रिटेन में काफी समय से महंगाई उच्च स्तर पर है, लोगों पर करों का बोझ काफी बढ़ गया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा गई हैं और देश की अर्थव्यवस्था एक तरह से ठप पड़ गई है। ऋषि सुनक ने अर्थव्यवस्था संभालने का आश्वासन दिया था, इसके लिए उन्होंने परिश्रम भी खूब किया, मगर कामयाब नहीं हो सके। नतीजतन, लोगों का रहन-सहन पर खर्च बढ़ता गया है। दरअसल, कंजर्वेटिव पार्टी के प्रति वहां के लोगों में रोष इस बात को लेकर भी था कि 'ब्रेक्जिट' करके ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो गया, जिससे वहां की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से हो रहे प्रवासन पर सुनक सरकार काबू नहीं पा सकी। इसके चलते वहां की सार्वजनिक सुविधाओं पर बोझ बढ़ा है। लेबर पार्टी ने आवास नीति बनाने, आव्रजन नीति को कड़ा करने और यूरोपीय संघ से रिश्ते मजबूत बनाने का वादा किया था। इससे वहां के लोगों में भरोसा पैदा हुआ। हालांकि चुनावी वादों को जमीन पर उतारना आसान नहीं होता। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को संभालना स्टार्मर के लिए भी बड़ी चुनौती होगी। खाली हो चुके खजाने के साथ करों का बोझ कम करना और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाना भी आसान नहीं होगा। ऐसे में, अगर आव्रजन नीतियों को कड़ा किया जाता है, तो अलग मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। देखने की बात है कि यूरोपीय संघ के साथ मिल कर वे ब्रिटेन की जर्जर हो चुकी अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में कहां तक कामयाब हो पाते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कौशल की कमी दूर करना जरूरी

भारत के रोजगार क्षेत्र का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जहां एक ओर बेरोजगारी बड़ी चुनौती बनी हुई है, वहीं देश के संभावित बड़े नियोक्ताओं की शिकायत है कि उन्हें काम करने के लिए श्रमिक नहीं मिल रहे हैं। गत सप्ताह लार्सन ऐंड टुब्रो के चेयरमैन एस एन सुब्रमण्यन ने कहा कि इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी को कुल मिलाकर 45,000 श्रमिकों और इंजीनियरों की जरूरत है। इस मामले में एलऐंडटी कोई अपवाद नहीं है। पूरे भारत की बात करें तो पूर्व में स्टील निर्माताओं से लेकर टेक्सटाइल हब तिरुपुर तक कंपनियों को मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, फिटर, वाहन चालक, टेक्नीशियन, कारपेंटर और प्लंबर जैसे साधारण कामों के लिए कुशल श्रमिक तलाशने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह कमी केवल ऑर्डर बुक के विस्तार, चुनावों या गर्मियों की वजह से नहीं है जिन्होंने श्रमिकों को वापस उनके गांव भेज दिया। यह देश के श्रम बाजार की एक पुरानी कमजोरी का परिणाम है जिसकी वजह से वेतन और लागत में ऐसे समय में इजाफा हो रहा है जब निजी क्षेत्र का निवेश अभी भी अपेक्षाकृत कमजोर है। यह कमी उस समय और बढ़ जाती है जब हम मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाते हैं। उस स्थिति में कंपनियों को अंतर को पाटने के लिए विदेशों खासकर चीन से तकनीशियनों और इंजीनियरों को बुलाना पड़ता है। इस कमी की प्रमुख वजह शिक्षा और प्रशिक्षण की खराब गुणवत्ता है। इससे कंपनियों को इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों के प्रशिक्षण की अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है। ताजा इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार करीब 64 फीसदी इंजीनियरिंग ग्रैजुएट रोजगार पाने योग्य हैं और इनमें से 40 फीसदी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानी आईटीआई से आते हैं। कुल मिलाकर करीब आधे युवाओं के पास ही रोजगार पाने लायक कौशल है। दिलचस्प है कि यह हतोत्साहित करने वाली तस्वीर भी 2014 की तुलना में बेहतर है। उस समय केवल 33.9 फीसदी युवा ही रोजगार पाने लायक थे। यह सुधार सरकार के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा अप्रेंटिस एवं अन्य योजनाओं की बदौलत आया। इस प्रगति के बावजूद रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि बाजार को कुशल श्रमिक उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। यह बताती है कि केवल दो फीसदी श्रमिकों के पास औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है और नौ फीसदी के पास अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है। इसके अलावा सरकार के कौशल कार्यक्रमों में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षकों या प्रमाणन की कमी है। इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित 20 फीसदी से भी कम लोगों को कंपनियों में रोजगार मिल पाया। समस्या की मूल वजह यह है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। इससे एक बार फिर यह बात रेखांकित होती है कि उद्योग जगत के साथ करीबी भागीदारी करने की आवश्यकता है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम इस समस्या का सटीक उदाहरण हैं। भारत हर वर्ष जो 15 लाख इंजीनियर तैयार करता है उनमें से 5 फीसदी से भी कम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों या भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों से होते हैं। अधिकांश स्नातक ऐसे निजी और सरकारी संस्थानों से आते हैं जिन्हें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता तो होती है लेकिन उनकी गुणवत्ता में काफी अंतर होता है।

बालाचार्य निपुणनंदी जी महाराज के ससंघ का टोंक में मंगल प्रवेश

जगह-जगह आरती पादपक्षालन एवं जैन नसिया में समाज के द्वारा भव्य अगवानी की

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य 108 इन्द्रनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बालाचार्य निपुणनंदी जी महाराज के ससंघ का आज शनिवार को प्रातःकाल श्री दिगंबर जैन नसिया टोंक में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां पर समाज के द्वारा रजत पात्रों में पाद पक्षालन करकर भव्य अगवानी की। समाज के प्रवक्ता और मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि बालाचार्य निपुण नंदीजी महाराज का टोंक में चातुर्मास के लिए सोहेला होते हुए घंटाघर पर पहुंचे जहां पर जुलूस के रूप में मुख्य बाजार घंटाघर सुभाष बाजार पांचबत्ती बड़ा कुआं को होते हुए जैन नसिया पहुंचे बैंड बाजा की मधुर भजन पर युवा एवं महिलाएं भक्ति नृत्य कर रही थी। साथ ही भगवान महावीर स्वामी के जयकारों लगाते हुए चल रहें थे। इस मौके पर जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पाद पक्षालन, आरती एवं स्वागत किया गया। जैन नसिया पहुंचने के बाद यह जुलूस धर्म सभा में परिवर्तन हुआ जहां पर बाहर से पधारे हुए अतिथियो के द्वारा और समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता, राजेश सर्राफ,धर्म दाखिया, धर्मेंद्र पासरोटियां कमल आड़रा सुरेंद्र पाटनी, रमेश छाबड़ा कमलेश कल्ली वाले बाबूलाल धोली वाले प्रकाश जी पटवारी द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात बाहर से आए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया इस मौके पर बालाचार्य निपुण नंदी जी महाराज ने कहा की अपने जीवन में परिग्रह का प्रमाण करना चाहिए और छोटे-छोटे नियम लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए यह मनुष्य जीवन बड़ी मुश्किल से मिला है इसके अंदर जितना हो सके धर्म कार्य करते रहना चाहिए। इस मौके पर अनिल सर्राफ, रिंकू बोरदा, विमल निंबोला, मनीष फागी, अरविंद दतवास, धर्मचंद आड़रा पत्तल दोना, ज्ञान संघी, कुंदन आड़रा, जितेंद्र बनेठा, सुरेंद्र अजमेरा, रमेश काला आदि लोग मौजूद रहे।

गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर में शुरू हुआ सोलह दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। संस्कार प्रणेता आचार्यश्री सौरभ सागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं गुदड़ी मंसूर खां सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आगरा के गुदड़ी मंसूर खां स्थित सेठ बिहारी लाल जैन धर्मशाला के अतिप्राचीन श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आयोजन शुरू हो गया है। भव्य घटयात्रा के साथ 6 जुलाई से 21 जुलाई के मध्य सोलह दिवसीय विधान की शुरूआत हुई जिसमें बड़ी संख्या में सौभाग्यवती महिलाएं इस घटयात्रा में शामिल हुईं जहां महिलाएं अपने शीश पर मंगल कलश लिए शोभायमान थीं तो वहीं बैंड बाजों के साथ श्रावक भी श्रीजी की प्रतिमा को रथ पर लेकर इस घटयात्रा में चल रहे थे घटयात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद राकेश जैन पार्षद एवं नरेश जैन परिवार ने ध्वजारोहण किया। साथ ही सौभाग्यशाली महिलाओं ने मण्डप का शुद्धिकरण किया। राजेश जैन कारपेट एवं पूर्णिमा जैन परिवार एवं रविन्द्र जैन एवं मिथलेश जैन परिवार ने संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज एवं भगवान महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण किया। राजेंद्र जैन परिवार एवं प्रमोद जैन परिवार ने समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज एवं भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कियो इसके पश्चात सौभाग्यशाली इंद्रों ने प्रतिष्ठाचार्य सौरभ जैन शास्त्री जी के मंत्रोच्चारण के साथ स्वर्ण कलशों से मूलनायक भगवान शीतलनाथ की प्रतिमा की वृहद शांतिधारा की।

महावीर इंटरनेशनल संस्था का 50वे वर्ष में प्रवेश

इस अवसर पर दिल्ली मे 7 जुलाई को आयोजित सेमिनार के मुख्य अतिथि रामनाथजी कोविंद होंगे

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था के सबको प्यार सबकी सेवा जीवो और जीने दो निमित्त 50 वे वर्ष में प्रवेश करने पर गोल्डन जुबली पर्व पर संस्था की राष्ट्रीय सेमिनार 7 जुलाई को मानकेशाह सेन्टर दिल्ली मे सुबह 09 बजे से सायंकाल 6 बजे तक अन्तराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सी ए अनिल कुमार जैन अंतराष्ट्रीय सचिव वीर अशोक कुमार गोयल अंतराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सी ए वीर सुधीर कुमार जैन के सानिध्य व मार्गदर्शन मे आयोजित किया जा रहा है जिसमे हमारे देश के निवर्तमान राष्ट्रपती रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि होगे जो हमारी संस्था के लिए गौरवशाली क्षण के साथ साथ बहुत बडी उपलब्धि है। संस्था गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया के अनुसार दोस्ती से सेवा की और इस स्वंय सेवी संस्था राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर 350 से अधिक केन्द्र व दस हजार से अधिक सदस्य वीर वीरा परिवार के साथ शहरों व महानगरों मे स्थापित है। ज्ञातव्य है कि यह शीर्षस्थ संस्था 1975 से जीवमात्र सेवार्थ कार्यो मे अनवरत जुडी हुई है संस्था द्वारा स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा, जीवदया,

रक्त दान ,नेत्र अंगदान महिला सशक्तिकरण, गर्भावस्था शिशु अवस्था तक बाल शिक्षा, रोको थालोसिमिया, शिशु देखभाल आदि परियोजनाओं के माध्यम से पिछले 49 वर्षो से मानव सेवा के कार्य सम्पूर्ण भारत मे ही नही अपितु अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सम्पादित किए जा रहे है। कुचामन सेन्टर द्वारा पीड़ित मानव जीव दया सेवा कार्यो के साथ मरणोपरांत तीन लोगो का नेत्रदान व चार लोगो के देहदान की घोषणा की स्वीकृति से आमजन में मानवीय सेवार्थ पहल कर संस्था प्रेरणादायक कार्य मे अग्रणी कार्य किए जाते हैं। राष्ट्रीय सेमिनार मे कुचामन सिटी सेंटर से अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल के सानिध्य मे 15 सदस्यौ के साथ जिसमे वीर सुभाष पहाड़िया सचिव वीर अजित पहाड़िया , वीर सम्पत बगडीया वीर अशोक अजमेरा, वीर रतनलाल मेघवाल, वीर तेज कुमार बड़जात्या, वीर सजंय अग्रवाल, वीर विजयकुमार पहाड़िया, वीर किशोर सैवदा वीर कैलाश पाडंया के साथ सेमिनार मे भाग लेने जा रहे है। -**सुभाष पहाड़िया**

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 का ब्लड डोनेशन कैंप आज 7 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 1 जुलाई से शुरू हुए आदित्य ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत रविवार दिनांक 7 जुलाई 2024 को राजस्थान हॉस्पिटल मिलाप नगर जयपुरिया हॉस्पिटल के सामने ब्लड कैंप प्रारंभ होगा। यह रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर, रोटरी क्लब जयपुर रॉयल, रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन के संयुक्त तत्वावधान में होने जा रहा है। मीडिया प्रभारी बसंत जैन ने बताया कि इस कैंप का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता करेंगी। रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर के अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि कैंप की मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिंट 3056 के मुख्य मैटर एवं पूर्व गवर्नर अशोक गुप्ता होंगे। रोटरी क्लब रॉयल के अध्यक्ष रोहन गुप्ता ने बताया कि इस कैंप में 500 से अधिक रक्त यूनिट एकत्रित करने का लक्ष्य है'। राउंड टाउन के अध्यक्ष देवेश कुमार बंसल ने कहा कि जयपुर के सभी क्लब इस कैंप में सहयोग कर रहे हैं ' कई कॉलेज, कोचिंग सेंटर के विद्यार्थी , रोटेरियंस इसमें भाग लेंगे' ' कैंप का समय प्रातः 8 बजे से दोपहर 1बजे तक रहेगा।

जिनशासन के महासूर्य - गणाचार्य विरागसागर जी : श्री विशल्यसागर जी

कोडरमा. शाबाश इंडिया। प. पू . आचार्य भगवन विरागसागर जी जिनशासन के महासूर्य थे जिन्होंने अपने ज्ञान के प्रकाश के द्वारा विश्व जगत को प्रकाशित किया जन - जन में संस्कार दिये अनेक भूले भटके लोगों को सन्मार्ग पर लगाया एवं व्रत , नियम , संयम देकर के अनेक भव्य जीवों का उद्धार किया। ऐसा महान आचार्य कई सादियों के बाद विश्वधरा को प्राप्त होता है आचार्य भगवन कुंद -कुंद स्वामी की आम्नायें ने एक ऐसे कुंद -कुंद जिन्होंने चारों ओर श्रमण संस्कृति का उत्थान किया है। आचार्य भगवन कुंद - कुंद स्वामी की अध्यात्मा का आत्मसात कर उनके लिखित महान ग्रंथों को जिन्होंने अच्छी तरह आत्मसात करके जो अभी जिन ग्रंथों पर टीका नहीं थी जैसे कि आचार्य कुंद-कुंद स्वामी द्वारा लिखित लिंग पाहुड़, शील पाहुड़, रयणसार, बारसाणुपेक्खा इन ग्रंथों पर उन्होंने क्रमशः श्रमण सम्बोधनी, श्रमण प्रबोधिनी, सर्वोदया टीका, रत्नत्रयवर्धिनी नामकी विशाल संस्कृत टीकायें लिखी जो साहित्य जगत के लिए अतिशयकारी और माँ जिनवाणी के कोश के भण्डार को उन्होंने भरा और विद्युत जगत के लिए ऐसे महान श्रेष्ठ कृतियाँ दी जिसके लिए आचार्य भगवन या साधु भगवन जिनका सरलता से, सुगमता से परायण कर सके और आचार्य कुंद -कुंद के ध्येय को समझ सके आचार्य भगवन गुरुदेव ने शास्त्रसार समुच्चय ग्रंथ जो आचार्य माघनंदी कृत चारोंअनुयोगोका ग्रंथ है उस पर महान चूड़ीसूत्र टीका लिखी है जो बड़ी ही अद्भुत है अनेक प्राकृत भक्ति के रचियता आचार्य भगवन गुरुदेव, यूँ कहे आचार्य भगवन गुरुदेव विरागसागर जी महामुनिराज जिन्हें चारों अनुयोगों का अद्भुत ज्ञान था, चारों अनुयोगों में पारंगत थे सिद्धांत के महाज्ञाता , सूक्ष्म से सूक्ष्म तत्वों को सरलता से प्रस्तुत करने वाले विद्युत जगत में और शिष्यों के अंदर प्रवेश कराने वालें ऐसे आचार्य इसलिए वो सिद्धान्त चक्रवर्ति थे न्याय में प्रकाण्ड इसलिए न्याय चक्रवर्ति थे उनको कहेंगे तो वे निश्चय से त्रिविधाचार्य थे आचार्य भगवन गुरुदेव को हमने बहुत निकट से देखा । आचार्य भगवन गुरुदेव को मैं 93 से जानता हूँ और उनका जो मैंने अद्भुत वात्सल्य प्राप्त किया है वो वात्सल्य उनके रोम - रोम में बसा हुआ था। एक ओर कहते है वात्सल्य रत्नाकर उनके गुरुदेव आचार्य भगवन निमित्तज्ञानी विमलसागर जी महाराज जो पूरे विश्व जगत में विख्यात थे उनकी पूरी की पूरी आभा और वही वात्सल्य और वैसा ही अद्भुत ज्ञान यूँ कहे वैसा ही अद्भुत ज्ञान, अद्भुत साधना पूरी की पूरी गुरुदेव में परिलक्षित थी ऐसे आचार्य भगवन गुरुदेव विरागसागर जी महामुनिराज श्रमण संस्कृति के उन्नायक, ध्रुव नक्षत्र के महान सूर्य जो अंदर में अज्ञान, अंधकार और मिथ्यात्व को दूर करने वाले और हृदय में सम्यक ज्ञान का आलोक प्रदान किया है।

महिमासागर जी महाराज से हुआ गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का मंगल मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में 7 जुलाई 2024 को प्रातः 8 बजे श्री दि.जैन संघीजी मंदिर सांगानेर में गुरुदेव महान आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की महा समाधि पर विनयांजलि सभा आयोजित होगी। अतिशय क्षेत्र सांगानेर मंदिर की प्रबंध कारिणी कमेटी के अध्यक्ष महावीर बज ने बताया कि आर्यिका संघ प्रातः 7 बजे चित्रकूट कालोनी जैन मंदिर से विहार करते हुए सांगानेर मंदिर पहुंचा। विहार के दौरान मुनि श्री महिमा सागर जी महाराज ससंघ से वात्सल्य मिलन हुआ। सांगानेर कमेटी एवं पूज्य माताजी ने उनसे अनुनय कर विनयांजलि सभा में उपस्थित होने हेतु निवेदन किया। महाराज जी ने सहज स्वीकृति प्रदान की। आर्यिका संघ सहित श्रावक गण ने अन्य मंदिरों के दर्शन पश्चात संघीजी के मंदिर के दर्शन किए। माताजी के मुखारविंद से अतिशयकारी आदिनाथ भगवान की शांतिधारा हुई । तत्पश्चात प्रवचन सभा का आयोजन हुआ। श्रमण संस्कृति संस्थान के प्राचार्य अरुण शास्त्री ने गुरुदेव गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का संस्मरण सुनाते हुए विनयांजलि सभा के लिए सभी को निवेदित किया एवं मंत्री सुरेश कासलीवाल ने माताजी को प्रवचन हेतु निवेदन किया ।गुरुदेव का संस्मरण सुनाते हुए माताजी ने कहा कि महान दिगम्बराचार्य गुरुवर विराग सागर जी महाराज वात्सल्य की मूर्ति स्वरूप थे। उनका जीवन तप,संयम,साधना से ओतप्रोत था।

गुरु ही अज्ञान रुपी अन्धकार को मिटाकर सद्मार्ग का रास्ता बताता है: आर्यिका विजय मति

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में विराजमान आर्यिका विजयमति माताजी धर्म की भव्य प्रवाहना बढा रही है कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा कस्बे में विराजमान आर्यिका 105 विजयमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में संघस्थ अल्पना दीदी के दिशा निर्देशन में श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद 24 तीर्थंकरों की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई । कार्यक्रम में आर्यिका 105 विजय माताजी ने श्रृद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए गुरू की व्याख्या करते हुए कहा गुरु ही मनुष्य को सच्चा मार्ग दिखाता है। मनुष्य को अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए महापुरुषों, सन्तों एवं गुरूओं के बताए मार्ग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। गुरु ही अज्ञान रूपी अन्धकार को मिटाकर सद् मार्ग का रास्ता बताता है कार्यक्रम में केलास कलवाडा, सोहनलाल झंडा , केलास कासलीवाल, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, पंडित केलास कडीला, पंडित संतोष बजाज, विनोद कलवाडा, त्रिलोक ब्रोकर्स, सुरेंद्र पंसारी,धर्मचंद पीपलू,पारस नला, रमेश बावड़ी,अनिल कुमार कठमाना, सुरेंद्र बावड़ी,अशोक कागला, मीतेश लदाना, मुकेश गिंडोदी, राकेश कठमाना ,राजकुमार नला,विनोद मोदी, त्रिलोक पीपलू, सुनील मोदी, राजकुमार नला, कमलेश चोधरी, सुशील कलवाडा, राजाबाबू गोधा फागी तथा सुशीला बावड़ी, सम्पत देवी लदाना, मैना पीपलू,रानी नला,मनीषा कडीला, सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

वृक्षारोपण कर कैडेट्स को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर फर्स्ट राजस्थान एयर स्क्वाड्रन एनसीसी मुख्यालय पर भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय मानसरोवर के तत्वावधान में वृक्षारोपण कर कैडेट्स को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बैंक के सहायक महाप्रबंधक एम जी व्यास ने एनसीसी परिसर में और अधिक वृक्षा रोपण का आश्वासन दिया। एनसीसी ग्रुप कैप्टन सोमनाथ मिश्रा ने बैंक के पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता पर धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बैंक के मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा, दीपक अग्रवाल, शिव सिंह और लगभग 50 एनसीसी कैडेट्स उपस्थिति रहे।

JSG Jain Social Groups International Federation
जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर
श्री महेन्द्र-श्रीमती रेखा जैन
सह सचिव जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर
7 जुलाई ' 24

Happy Anniversary
95496 64437
की वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
शुभेच्छु
अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन
उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

JSG Jain Social Groups International Federation
जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर
श्री नितिन-श्रीमती सरिता जैन
सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर
7 जुलाई ' 24

Happy Anniversary
93143 15551
की वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
शुभेच्छु
अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन
उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

बापू नगर की कमलेश जैन सहित पांच टेटे खिलाड़ी रोम रवाना

हीरा चन्द बैद. शाबाश इंडिया

जयपुर। रोम में वर्ल्ड मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप -रोम 2024 में भाग लेने वाले राजस्थान से चयनित पैडलरों का जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पर आयोजित भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इन टेटे खिलाड़ीयों में दिगंबर जैन समाज बापू नगर सम्भाग के अन्तर्गत बापू नगर निवासी कमलेश जैन, मुकुन्द अग्रवाल, मन मोहन सिंह रावत, श्याम सुन्दर चौहान व मनीषा जैन शामिल हैं। यह प्रतियोगिता 6 से 16 जुलाई तक रोम इटली में होगी, इस प्रतियोगिता में भारत से 40 से 85 वर्ष आयु वर्ग के 280 खिलाड़ियों सहित विश्व भर से कुल 6001 खिलाड़ी भाग लेंगे विदाई एवं सम्मान समारोह के दोराना राजस्थान वेटेरन टेबिल टेनिस कमेटी, जयपुर ने रोम जाने वाले सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट और मोमैन्टो भेंट किए व माला पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में प्रमोद पाटनी, हर चरण सिंह चन्ना, निर्मल चौधरी, नवीन यादव, अशोक कल्ला, जे.पी.शर्मा, के.एल.चांवरिया , अनिता मोदी एवं विजय पंचोली जैसे वरिष्ठ टेबल टेनिस खिलाडियों ने रोम जाने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। सभी खिलाड़ी आज शनिवार को दिल्ली से वायुयान द्वारा रोम के लिए रवाना हुए।

दिगंबर जैन महिला महासमिति महिला अंचल राजस्थान अलीगढ़ संभाग की अध्यक्ष

श्रीमती खुशी जैन-शिखर चंद जैन

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाइयां एवं बधाई शुभेच्छु

अध्यक्ष : शकुंतला बिंदायका

सचिव : सुनीता गंगवाल,

कोषाध्यक्ष : उर्मिला जैन

दिगंबर जैन महिला महासमिति महिला अंचल राजस्थान

कैंसर जांच आपके द्वार

निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार 21 जुलाई 2024 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार 21 जुलाई 2024 को प्रातः 9:00 से दोपहर 3:00 तक श्री दि. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी, 342, चौड़ा रास्ता, जयपुर में आयोजित किया जायेगा। कैंसर जांच आपके द्वार निशुल्क जांच शिविर स्व. विद्या विनोद काला प्रणेता स्वप्नदृष्टा एवं संस्थापक प्रबंध न्यासी भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जायेगा। जयपुर जैन सभा समिति, श्री दिगं. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी परिवार, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला महासभा के सहयोग एवं भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सानिध्य में यह शिविर आयोजित किया जायेगा।

शिविर में निम्न जांचें

- मैमोग्राफी (स्तन जांच हेतु)
- पंप स्मीयर टेस्ट (गर्भाशय जांच हेतु)
- एक्स-रे (फेफड़ों की जांच हेतु)
- सीए 125 (ओवरी जांच हेतु)
- पीएसए (प्रोटेस्ट जांच हेतु)
- अन्य रक्त परीक्षण

निम्न में से कोई भी लक्षण हो तो जांच अवश्य करवाएं

- मुंह या गले में नहीं भरने वाला छाला
- कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, आवाज में परिवर्तन
- शरीर के किसी भी भाग में गांठ
- स्तन में गांठ व आकार में परिवर्तन
- लंबे समय से खांसी या कफ में खून
- मलद्वार या मूत्रद्वार से खून आना
- शौच की आदत में परिवर्तन
- वजन का बेवजह कम होना

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
संजय जैन 9928051512

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com